

गोविंद पटेल समाज सेवी रामनताप सिंह पटेल-भयान पांडेय छोटेलाल शुकला श्यामलाल सेन थ्यरेलाल सिंह मुनीम सिंह जय सिंह प्रयागनाथ पांडेय कृष्णादेवी पांडेय सलिक कुशवाहा तिलक राम पांडेय धीरेन्द्र पांडेय रघुनाथ सेन योगेंद्र पांडे श्याम लाल सेन बिहारी सेन गया कुशवाहा रामबली पटेल रामनाथ पटेल शंभू काल पूर्व सरपंच विष्णु मिश्रा रामकांत पांडे प्रेम वाती शुकला कमलेश शुकला रामनरेन्द्र पटेल रामदास चौधरी रमेश पयासि गंगाप्रसाद पायंशी मुनिराज सिंह राम भान सिंह राम लखन सिंह जयभान सिंह एवं सभी ग्राम वासियों का सहयोग

दिया है, और आम किसानों को लाभ पहुंचा है कांग्रेस ही है जो किसानों को गरीबों को न्याय, पहाड़ और कंदरा में रहने वाले लोगों को राहत,गरीबों को आरक्षण महिलाओं को मजदूरों को न्याय दिलाने में कांग्रेस ही सदैव आगे आती है। यह आम जनों को सोचना चाहिए कि भारतीय जनता पार्टी व इनकी कार्य विधियां देखिए तो, ना यह भूख के लिए, न तन पर कपड़ा के लिए, ना रोटी कपड़ा, ना मकान इन सब की समस्याओं का हल रोजगार दिलाने का हल, लोगों के जीवन में उन्नति कैसे हो इसका ध्यान नहीं रखते बल्कि धर्म और जाति के नाम पर आपस में लड़ा कर व्यवस्था फैलाकर वोट की राजनीति करते हैं जिससे कि उनकी सरकार बनी रहे सरकार में कायम रहे जनता जाए भाड़ में ऐसा काम करते हैं अतः हम सब को सोचने की जरूरत है कि हमें ना हिजाब न घूंघट ना नमाज इन फालतू के मुद्दों के चक्कर में नहीं पड़ना है बल्कि हमें तो ऐसी सरकार बनानी है जो हमारे जीवन की समस्याओं का निराकरण कर सके आवागमन के लिए गड्ढा रहित सड़क दे सके भूख मिटाने के लिए तन ढकने के लिए कपड़ा छाया के लिए छत मकान जो उपलब्ध करा सके वैसी सरकार को हमें बनाना है वर्तमान में कांग्रेस ने जिस प्रकार से उत्तर प्रदेश में उन्नति विधान के तहत लोगों को रोजगार लोगों की आय में वृद्धि उन्नत कृषि, उन्नत व्यापार कैसे उपलब्ध किया जाए इसका विधान प्रारंभ किया है महिलाओं को 40 परसेंट आरक्षण देकर सत्ता में भागीदारी का जो कदम उठाया है वह अनुकरणीय है हमें समझना चाहिए भारतीय जनता पार्टी की डपोरसंखी सरकार को उखाड़ फेंकना है पर जनहित में सबकी जिम्मेदारी समझने वाली सरकार को बनाना है, कांग्रेस की सरकार को बनाना है।

न्यूज अपडेट

जिले में रोजगार के लिए 24, 25 एवं 26 फरवरी को कैम्प आयोजित होंगे

मशीन ऑपरेटर और सुरक्षा गार्ड्स के लिए डिंडौरी, शहपुरा और करजिया में लगेंगे कैम्प

डिंडौरी – प्रभारी जिला रोजगार अधिकारी रमेश मरावी ने बताया कि निजी क्षेत्र में रोजगार हेतु जिला रोजगार कार्यालय डिंडौरी के द्वारा वर्धमान ऑनर्स मंडीदीप धागा कंपनी में पद मशीन ऑपरेटर एवं एसआईएस इंडिया लिमिटेड अनुपपुर में सुरक्षा जवान और सुरक्षा सुपरवाइजर की आवश्यकता है। उन्होंने बताया कि इसके लिए 24 फरवरी को प्रातः 10:00 बजे से सायंकाल 4:00 बजे तक मंगल भवन गेटस्ट हाउस के पीछे शहपुरा में कैम्प आयोजित किया जाएगा। इसी प्रकार से 25 फरवरी को प्रातः 10:00 बजे से सायंकाल 4:00 बजे तक कलेक्ट्रेट आडिटोरियम डिंडौरी में तथा 26 फरवरी को प्रातः 10:00 बजे से सायंकाल 4:00 बजे तक बीआरसी भवन जनपद पंचायत करजिया में कैम्प आयोजित किये जाएंगे।

प्रभारी मंत्री 25 फरवरी को रहेंगे जिले के प्रवास पर

शहडोल नवप्रदेश – प्रदेश के पिछड़ा वर्ग एवं अल्पसंख्यक कल्याण (स्वतंत्र प्रभार) विमुक्त घुमकड़ एवं अर्द्ध घुमकड़ जनजाति कल्याण, पंचायत एवं ग्रामीण विकास राज्यमंत्री एवं जिले के प्रभारी मंत्री श्री रामखेलावन पटेल 24 फरवरी 2022 को सांय 7 बजे अमरपाटन से शहडोल के लिए प्रस्थान कर रात्रि 10 बजे सर्किट हाउस शहडोल पहुंचेंगे। प्रभारी मंत्री श्री रामखेलावन पटेल 25 फरवरी को दोपहर 1 बजे मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान द्वारा स्वरोजगार योजना के अन्तर्गत लाभान्वित हितग्राहियों को ऋण स्वीकृति एवं वितरण कार्यक्रम एवं विभिन्न विकास कार्यों के लोकार्पण कार्यक्रम में सहभागिता निभाएंगे एवं सांय 5 बजे शहडोल से अमरपाटन के लिए प्रस्थान कर जाएंगे।

मुख्यमंत्री करेंगे शहडोल सीवररेज परियोजना के निर्माण कार्य का भूमि पूजन

शहडोल नवप्रदेश। मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान शहडोल स्थित पॉलिटेक्निक ग्राउंड में 25 फरवरी दोपहर 1 बजे को अनेक विकास कार्यों के साथ शहडोल नगर की सीवररेज परियोजना के निर्माण कार्य का भूमि पूजन भी करेंगे। विश्व बैंक के सहयोग से नगरीय विकास एवं आवास विभाग के उपक्रम मध्यप्रदेश अर्बन डेवलपमेंट कम्पनी द्वारा निर्मित की जा रही शहडोल सीवररेज परियोजना की दस वर्षों के संचालन और संधारण के साथ अनुमानित कुल लागत रुपये 172.61 करोड़ है। उत्कृष्ट डिजाईन के आधार पर निर्मित की जा रही इस परियोजना के घटकों में 228 किलोमीटर सीवर नेटवर्क बिछाया जायेगा, 6 इण्टरमीडियेट पंपिंग स्टेशन एवं 1 मुख्य पंपिंग स्टेशन का निर्माण भी किया जायेगा। विशेष बात यह है कि 17 एमएलडी क्षमता का मलजल शोधन संयंत्र भी स्थापित किया जा रहा है। शहडोल सीवररेज परियोजना के अन्तर्गत 21,134 घरों को सीवररेज नेटवर्क से जोड़ा जायेगा। अनुबंध के अनुसार योजना का निर्माण कार्य माह नवम्बर 2023 के अंत तक पूर्ण किया जाना है परन्तु इस कार्य को समय से पूर्व दिसम्बर 2022 तक पूर्ण करने का लक्ष्य रखा गया है।

रजक समाज ने गाडगे महाराज की 146 वी जयंती धूमधाम से मनाई

बजाग मंगल भवन, शहपुरा के मानस भवन में हुआ आयोजन

डिंडौरी नवप्रदेश

बुधवार को रजक समाज के गौरव संत शिरोमणि गाडगे महाराज के अमूल्य विचारों का मनन करते हुए उन्हें सदैव के लिए अंगीकार करने के संकल्प के साथ उनकी 146 वी जयंती बजाग के मंगल भवन में धूमधाम से मनाई गई। संत शिरोमणि गाडगे महाराज की जयंती के शुभ अवसर पर समाज की महिलाओं और पुरुषों सहित सभी सामाजिक जनों की उपस्थिति में नगर में रैली निकाली गई। रैली में उपस्थित रजक समाज बजाग के अध्यक्ष सनित रजक, उपाध्यक्ष उमेश

रजक, सचिव जगत रजक और समाज के सक्रिय कार्यकर्ता कीशल रजक सहित सभी सामाजिक कार्यकर्ता उपस्थित रहे। रैली के उपरांत समाज के द्वारा भंडारा कार्यक्रम भी आयोजित किया गया जिसमें सम्पूर्ण समान शामिल रहा। शहपुरा – धमाल की थाप पर निकली शोभायात्रा बुधवार को संत शिरोमणि गाडगे महाराज की जयंती के अवसर पर रजक समाज के

द्वारा शहपुरा मुख्यालय में भव्य शोभायात्रा निकाली गई। शहपुरा नगर के मानस भवन में रजक समाज के द्वारा स्वच्छता के जनक संत शिरोमणि गाडगे जयंती धूमधाम के साथ मनाई गई और शहर में धमाल की थाप पर विशाल शोभा यात्रा निकाली गई। इस दौरान शहपुरा नगर व ग्रामीण क्षेत्र के रजक समाज के लोग मौजूद रहे।

प्रकरणों की समीक्षा की। उन्होंने कहा कि सभी अधिकारी सीएम हेल्पलाईन के प्रकरणों का सर्वोच्च प्राथमिकता के साथ निराकरण करें। सीएम हेल्पलाईन के प्रकरणों का निराकरण लेवल-1 एवं लेवल-2 पर ही संतुष्टिपूर्वक दर्ज करें। उन्होंने विभागीय अधिकारियों को निर्देश दिए कि सीएम हेल्पलाईन के प्रकरणों के निराकरण के लिए मैदानी अमले को भी जिम्मेदारी सौंपी जाए। कलेक्टर ने जिला एवं जनपद स्तरीय कार्यालयों में आने वाले व्यक्तियों के लिए बैठक व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए जिससे कार्यालयों में आने वाले व्यक्ति आराम से बैठ सकें। उन्होंने सभी कार्यालयों में पेयजल व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने शहरी क्षेत्र में होने वाले कार्यालय या भवन निर्माण में पार्किंग व्यवस्था रखने को कहा जिससे आवागमन बाधित न हो। कलेक्टर झा ने आंगनबाड़ी केन्द्रों एवं विद्यालयों में पानी की टंकी, नल कनेक्शन विद्युत कनेक्शन, वांशबेसिन, टॉयलेट की समुचित व्यवस्था करने के निर्देश दिए।

कलेक्टर ने जिला एवं जनपद स्तरीय कार्यालयों में लोगों की बैठक व्यवस्था व पेयजल व्यवस्था शहरी कार्यालयों में पार्किंग व्यवस्था रखने के दिए निर्देश

रूस का फर्मा से विश्व विरासत सफा न

मुताबिक यूक्रेन ने बोसो जानसेन ने पांच रूसी बंका को जेनेटस्क और लुहांस्क प्रतिबंधित कर दिया है। संयुक्त राष्ट्र संघ ने नाटो पर वादा तोड़ने का आरोप लगा रह है। उनका कहना है कि सावियत संघ के विघटन के बाद अमेरिका और नाटो ने रूस से वादा किया था कि वे अब नाटो का विस्तार नहीं करेंगे, पर शेरुता है और बात एक दशक से इनक बीच युद्ध छिड़ा हुआ है। इसलिए रूस

यूक्रेन को नाटो में शामिल करने की जिद पकड़कर अमेरिका ही समझौता तोड़ रहा है।
यह कहा जाए तो रूस की चिंताएं औरतजिब नही हैं।

एक बार फिर डोनेटस्क और लुहान्स्क पर कब्जा कर लिया है, तो अमेरिका और यूरोप एक राइट कर रहे हैं कि रूस ने मित्रत्व समझौते के टुकड़े कर दिए हैं।

रूस के इस कदम के विरोध में जर्मनी ने महत्वाकांक्षी रूस स्प्लॉइ परियोजना 'नाई स्टेम 2' पर रोक लगा दी है। इस परियोजना के तहत बाल्टिक सागर के नीचे बिछाई गई पाइपलाइन के जरिए रूस से जर्मनी को प्राकृतिक गैस भेजी जानी थी। यह माना जा रहा था कि रूस को इससे बुलाई है। नाटो के महासचिव रूस को परिणाम भुगतने की चेतावनी दे रहे हैं। वैश्विक बिजली प्लानलाइन सक्ते में है और परिस्थितियों का आंकलन कर रही है।

रूस के इस कदम के विरोध में जर्मनी ने महत्वाकांक्षी रूस स्प्लॉइ परियोजना 'नाई स्टेम 2' पर रोक लगा दी है। इस परियोजना के तहत बाल्टिक सागर के नीचे बिछाई गई पाइपलाइन के जरिए रूस से जर्मनी को प्राकृतिक गैस भेजी जानी थी। यह माना जा रहा था कि रूस को इससे

महंगी गैस खरीदनी पड़ेगी या ऊर्जा के दूसरे स्रोत तलाशने होंगे। रूस यूरोपीय देशों को कच्चा तेल भी भेजता है। बदले हुए हालात में अब इन देशों में पेट्रोल डीजल की किल्लत भी हो सकती है। जर्मनी और फ्रांस नाटो के मुखर सदस्य हैं और उन्होंने रूस-यूक्रेन के तनाव को कम करने के लिए काफी कुटनीतिक प्रयास भी किए हैं, पर नतीजा कुछ भी नहीं निकला।

2014-15 में जर्मनी और फ्रांस ने ही बाद में क्रीमिया में रायशुमारी की गई तो 98 फ़ीसदी वासियों ने रूस के पक्ष में वोट दिया था। उस वक़्त भी रूस की आर्मी डोनेटस्क और लुहान्स्क को अपने कब्जे में लेना चाहती थी, पर जर्मनी और फ्रांस ने मित्रत्व समझौते के तहत युद्ध रूकवा दिया था। इस समझौते के मुताबिक यूक्रेन ने डोनेटस्क और लुहान्स्क को स्वायत्त क्षेत्र का दर्जा दे दिया था। अब जब रूस ने एक बार फिर डोनेटस्क और लुहान्स्क पर कब्जा

फिर। 2004 में तो अमेरिका को इस हरकत पर, रूस खुद के बूँट पीकर चुप रह गया था, किंतु आज रूस पहले जैसा कमजोर और टूटा हुआ देश नहीं रह गया है। पुतिन ने रूस का खोया आत्मविश्वास लौटाकर उसे अंदर से काफी मजबूत कर दिया है। रूस की आर्थिक हालात भी काफी सुधर गई है और पुतिन अब रूस को उसकी 'महाशक्ति' होने की हैसियत वापस दिलाने के लिए प्रतिबद्ध और दृढ़संकल्प दिखाई पड़ रहे हैं।

विपत्ति में आपके अपने ही आपसे दूरी बनाते हैं

काफी मुनाफा होता और जर्मनी, फ्रांस तथा मध्यस्थता करके रूस और यूक्रेन के बीच कर लिया है, तो अमेरिका और संयुक्त राष्ट्र

विकास कुमार

समस्या तो धीमे
लेती है प्रत्येक व्यक्ति इससे निदान एक ना एक दिन प्राद कट ही होता है। अगर वह साहसी और उत्साही है। निदान प्राप्ति के बाद ऐसे लोगों से शिर्फ उनका ही मतान रखना जाए नितना कि आपका उनसे और उनसे आपका है। ऐसे लोगों से सुनकर दिखे और झूठे रिश्ते बनाने की आवश्यकता नहीं लेनी चाहिए। उनसे सभी प्रकार की अखड़ियों और झुगड़ियों से दूरी बना लेनी चाहिए और शिर्फ अपने काम पर ही ध्यान देना चाहिए, क्योंकि यह दुनिया बहुत स्वार्थी है मेरे दोस्त, किसी इंसान के बारे में कुछ नहीं कहना सकता कब, कौन, कब, केरी किस तरह उनका खेल जाना कुछ कल नहीं जा सकता। परंतु हा ऐसे पूर्वजार्वी से बाधित होकर आपको कभी ऐसा नहीं मिलेगा, यदि किसी ने किसी

विपत्ति में आपके अपने ही आपसे दूरी बनाते हैं

मनुष्य की गतिविधियां समाज में निरंतर गतिशील रहती हैं उसके हिस्से में कभी सुखों का भंडार तो कभी दुःख जाते हैं। साहसी और उत्साही पुरुष वही होता है जो दुःख और सुख में सामंजस्य बनाकर अपनी बाधाओं को बाधित कर देता है। परंतु भावना प्रधान होने के कारण दुःख में उम्मीद की किरण जरूर होती है कुछ अपनों से, कुछ परागों से, कुछ रिश्तेदारों से और कुछ सगे संबंधियों से परंतु शाश्वत सत्य निकल करके आता है कि किसी भी विपत्तियों में अपनों से ज्यादा पराए लोग मददगार और सहायता प्रदान कर देते हैं। परोपकार में धर्म और मजहब नहीं देखा जाता ना ही उदमों लौटाए जाने की उम्मीद देखी जाती है। यही कारण है कि जो आप से लगे हुए व्यक्ति होते हैं तो वह विपत्ति में आपसे दूर भागते हैं, क्योंकि

उनको डर होता है कि हम इसको आमूख प्रकार की सहायता यदि प्रदान कर देते हैं तो वह इसको वापस कैसे करेगा, क्योंकि यह तो अस्तित्व विहीन होने जा रहा है बदले में हमें क्या मिलेगा? शायद इसी प्रकार के सवाल जवाब उनके मन में गुंजते हैं। कुछ लोगों को अपने ओहदे (पद) का डर रहता है कि मैं तो बड़ा आदमी हूं। हम लोग छोटे आदमी की सहायता करने से मेरे स्टेटस में बटल जा जाएगा। यदि मैं अमुक व्यक्ति के पास गया तो वह सम्मान नहीं मिलेगा और हो सकता है कुछ थोड़ी बहुत सहायता भी करनी पड़ेगी। उस समय स्वार्थ की अनेक प्रकार की भावना विकसित हो जाती है और खोज में जुट जाते हैं एक बहाने की, चलो जब की भ्रष्टाचिब होंगे तब कह दिया जाएगा कि

आगे से कुछ ऐसा हो तो बता दिया करो, ओह मैंने तुम्हारा फोन द्राई तो किया था परंतु लगा नहीं, जिस समय मुझे याद आया

मेरे फोन में नेटवर्क नहीं था, शायद मैंने फोन किया तो था! शायद तुम्हारा फोन बिजी आ रहा था! शायद तुम्हारा फोन नेटवर्क एरिया के बाहर था मैं यात्रा कर रहा था, मुझे बहुत ज्यादा काम आ गया था, मेरे घर में स्वयं बहुत सी समस्याएं थीं, मैं भी उस समय बीमार चल रहा था, मैंने उससे कहा था चलो उसके पास चलते हैं परंतु उसने कहा कल चलते हैं, मैं

किया जा सकता है। परंतु कुछ क्षण के लिए सभी लोग भूल सजाते हैं कि अमुक व्यक्ति परिस्थिति से उभर जाएगा और दैनिक रूप से हमारा मिलन होगा। इन सभी प्रकार के झूठे वाहनों की लिस्ट जब हम उसके सामने परोस आएं तब नजरों कैसे मिला जाएं। दुनिया का दस्तूर है कि अपनी बातों को और रोवक और प्रासंगिकता बढ़ाने के लिए झूठ का सहारा ले लिया जाता है? बात चोहे छोटी हो या बड़ी। यह बात तो सत्य है कि प्रत्येक व्यक्ति अपने मामले में सबसे बड़ा वकील बन जाता है और दूसरों के मामले में सबसे बड़ा न्यायाधीश बन जाता है। लोग आपको हैसियत देखकर आपकी सहायता करते हैं, परंतु परोपकार तो एक ऐसा परमार्थ है जो स्तर नहीं आवश्यकता देखता है। आप किसी व्यक्ति के परिस्थितियों में आवश्यकता पड़ने पर काम नहीं आ सके तब आपको उसके सामने झूठे बहारी स्वांग भी करना शोभा नहीं देता है। झूठे आश्वासनों की अपेक्षा सत्य से संतुष्टि अधिक मिलती है। समस्या के समय व्यक्ति को प्रत्येक से उम्मीद की किरण और आशा दिखाई देती है। वह अपने अधिकार में यदि छोटी से भी मदद कि किरण प्राप्त कर लेता है तो शायद वह इतना नहीं भटकता। ऐसे विपत्तियों में प्रत्येक की अपने नजदीक वालों से उम्मीदें अधिक होती हैं, क्योंकि उसका ऐसा विश्वास होता है कि मेरा पूर्वज किया गया काम इस समय काम आएगा, परंतु सभी स्थितियों में ऐसा नहीं होता है और ना ही सभी ऐसे होते हैं। ऐसे में आप अपनी नजदीक वालों की अपेक्षा दूर वालों से यथोचित सहयोग प्राप्त कर लेते हैं। परंतु हां। जब आप उनके



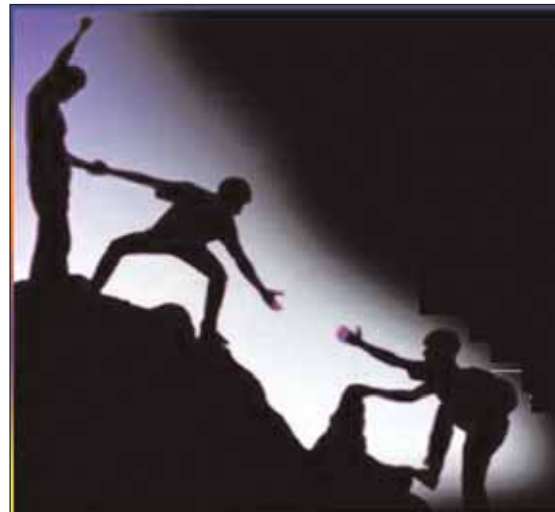
विकास कुमार

विपत्ति में आपके अपने ही आपसे दूरी बनाते हैं

समस्या तो थोपिक होती है प्रत्येक व्यक्ति इससे निदान एक ना एक दिन प्राप्त कर ही लेता है। अगर वह साहसी और उसाली है। निदान प्राप्ति के बाद ऐसे लोगों से सिर्फ उज्जना ही मतलब रखा जाए निदान कि आपका उनसे और उनसे आपका है। ऐसे लोगों से सुनहरे रिश्ते और झूठे रिश्ते बनाने की आवश्यकता नहीं लेनी चाहिए। उनसे सभी प्रकार की अखड़ियों और झुड़ाइयों से दूरी बना लेनी चाहिए और सिर्फ अपने काम पर ही ध्यान देना चाहिए , क्योंकि यह दुनिया बहुत खराबी है जैसे दोस्त, किसी इंसान के बारे में कुछ नहीं जाना जा सकता कब, कौन, कब, छोटी किसी तरह उसका खेल जाना कुछ कस नहीं जा सकता। परंतु बड़े पूर्वजानि से बलिष्ठ होकर आपको कभी ऐसा नहीं करना चाहिए कि यदि किसी पर मो पैसी समस्या आता तो आप उसे इसी तरह का बर्ताव करें । फिर आपने और उनके इंसानियत में फर्क नहीं रह जाएगा।

मनुष्य की गतिविधियां समाज में निरंतर गतिशील रहती हैं उसके हिस्से में कभी सुखों का भंडार तो कभी दुःख जाते हैं। साहसी और उसाली पुरुष वही होता है जो दुःख और सुख में सामंजस्य बनाकर अपनी बाधाओं को बाधित कर देता है। परंतु भावना प्रधान होने के कारण दुःख में उम्मीद की किरण जरूर होती है कुछ अपनों से, कुछ परायों से, कुछ रिश्तेदारों से और कुछ सगे संबंधियों से परंतु शक्ति सत्य निकल करके आता है कि किसी भी विपत्तियों में अपनों से ज्यादा पराए लोग मददगार और सहायता प्रदान कर देते हैं। परोपकार में धर्म और मजहब नहीं देखा जाता ना ही उसमें लोटाए जाने की उम्मीद देखी जाती है। यही कारण है कि जो आप से लगे हुए व्यक्ति होते हैं तो वह विपत्ति में आपस दूर भागते हैं, क्योंकि

उनको डर होता है कि हम इसको आमूख प्रकार की सहायता यदि प्रदान कर देते हैं तो वह इसको वापस कैसे करेगा, क्योंकि यह तो अस्तित्व विहीन होने जा रहा है बदले में हमें क्या मिलेगा? शायद इसी प्रकार के सवाल जवाब उनके मन में गुंजते हैं। कुछ लोगों को अपने ओहदे (पद) का डर रहता है कि मैं तो बड़ा आदमी हूं। हम लोग छोटे आदमी की सहायता करने से मेरे स्टेटस में बड़ा लग जाएगा। यदि मैं अमुक व्यक्ति के पास गया तो वह सम्मान नहीं मिलेगा और हो सकता है कुछ थोड़ी बहुत सहायता भी करनी पड़ेगी। उस समय स्वास्थ की अनेक प्रकार की भावना विकसित हो जाती है और खोज में जुट जाते हैं एक बहाने की ,चलो जब कभी मुखातिब होंगे तब कह दिया जाएगा कि हमें तो आपने याद ही नहीं किया, अरे मैं तो तुरंत करता परंतु आपको बताना चाहिए, ओह मादूम तो था परंतु काम में व्यस्त होने के कारण ध्यान नहीं गया, सोचा था देखूंगा परंतु क्या करूं? भूल गया,ओह हमें तो मालूम ही नहीं था, परंतु



आगे से कुछ ऐसा हो तो बता दिया करो,ओह मैंने तुम्हारा फेन ट्राई तो किया था परंतु लगा नहीं, जिस समय मुझे याद आया

मेरे फेन में नेटवर्क नहीं था, शायद मैंने फेन किया तो था! शायद तुम्हारा फेन बिजी आ रहा था! शायद तुम्हारा फेन नेटवर्क एरिया के बाहर था मैं खाना कर रहा था, मुझे बहुत ज्यादा काम आ गया था, मेरे घर में स्वयं बहुत सी समस्याएं थीं, मैं भी उस समय बीमार चल रहा था, मैंने उससे कहा था चलो उसके पास चलते हैं परंतु उसने कहा कल चलते हैं मैं तुम्हारे घर तक गया था परंतु तुम मिले नहीं, मैंने फ्लाने व्यक्ति से पूछा था परंतु उसने ऐसा कुछ तो बताया नहीं था।इस प्रकार के बहाने अपने आप जुग जुग लिए जाते हैं। बहानों की कई कैटेगरी हो सकती है जिसका विस्तृत उल्लेख यहां पर नहीं

किया जा सकता है। परंतु कुछ क्षण के लिए सभी लोग भूल सजाते हैं कि अमुक व्यक्ति परिस्थिति से उभर पाएगा और दैनिक रूप से हमारा मिलन होगा । इन सभी प्रकार के झूठे वाहनों की लिस्ट जब हम उसके सामने परोस आएंगे तब नजरें कैसे मिला पाएंगे। दुनिया का दस्तूर है कि अपनी बातों को और रोचक और प्रासंगिकता बढ़ाने के लिए झूठ का सहारा ले लिया जाता है ? बात चाहे छोटी हो या बड़ी। यह बात तो सत्य है कि प्रत्येक व्यक्ति अपने मामले में सबसे बड़ा वकील बन जाता है और दूसरों के मामले में सबसे बड़ा न्यायाधीश बन जाता है। लोग आपकी हैसियत देखकर आपकी सहायता करते हैं, परंतु परोपकार तो एक ऐसा परामर्श है जो स्तर नहीं आवश्यकता देखता है। आप किसी व्यक्ति के परिस्थितियों में आवश्यकता पड़ने पर काम नहीं आ सके तब आपको उसके सामने झूठे बहारी स्वांग भी करना शोभा नहीं देता है। झूठे आश्वासनों की अपेक्षा सत्य से संतुष्टि अधिक मिलती है। समस्या के समय व्यक्ति को प्रत्येक से उम्मीद की किरण और आशा दिखाई देती है। वह अपने अंधकार में यदि छोटी से भी मदद कि किरण प्राप्त कर लेता है तो शायद वह इतना नहीं भटकता। ऐसे विपत्तियों में प्रत्येक की अपने नजदीक वालों से उम्मीदें अधिक होती हैं, क्योंकि उसका ऐसा विश्वास होता है कि मेरा पूर्वज किया गया कर्म इस समय काम आएगा,परंतु सभी स्थितियों में ऐसा नहीं होता है और ना ही सभी ऐसे होते हैं। ऐसे में आप अपनी नजदीक वालों की अपेक्षा दूर वालों से यथोचित सहयोग प्राप्त कर लेते हैं। परंतु हां। जहां आप उनके लिए उपयोगी होंगे तो आप उनके लिस्ट में सभी प्रिय व्यक्तियों से ऊपर होंगे , क्योंकि उनके लिए आप की उपयोगिता उनके लिए किए गए काम पे है ना कि आप उनके लिए उपयोगी होते हैं।

1) मार्च 2021 में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने किसके द्वारा लिखित भगवद गीता का किडल संस्करण

चलो तम्हें स्वागत दिखाते हैं आज

खाए बहे रही होतो

बह रही होती प्रकृति अपने उत्सव में
 जवाओं में नाच रहे होते अचानक कोई
 नाता बेजुबान पत्ता चीथ भी नहीं पाता
 धूल में गिरकर उसका अस्तित्व पीड़ा
 भर जाता वह जमीन पर कुठित होकर
 झुम रहे किसी को उसके डाल से
 ह मूक और निरीह अवस्था में एक मन
 भूमि से उठ लेता टूटा हुआ पत्ता हवा

तुम्हारे खाबों में हम आते हैं

चलो तुम्हें खाब दिखातें हैं आज तुम्हारे खाबों में
 हम आते हैं हाथ नहीं मिलाते अबकी दिल लगातें हैं चलो खाबों में
 जरा होकर आतें हैं सुख लाल सी फिरत मेरो सुफंद है तू तेरे नज्ज बतातें
 हैं चल आज खाबों में साथ आतें हैं फिजा में हम दोनों अपना रंग
 मिलातें हैं मासूम सा गुलाबी इश्क बनाते हैं चलो तुम्हे हम एक हीसन
 खाब दिखातें हैं।

- प्रीती श्रीवास्तव

लंबे और 8 मीटर चौड़ा पुल का निर्माण किया जा रहा है?

3) प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 15 सितम्बर, 2021 को किस टीवी चैनल को लॉन्च कर दिया है?

4) अमेरिकी अंतरिक्ष एजेंसी नासा और इसरो द्वारा संयुक्त रूप से विकसित किया जा रहा उपग्रह नाम क्या है जो वर्ष 2023 में लॉन्च किये जाने के लिए निर्धारित है?

5) किसे गूगल ने डूडल के माध्यम से भारत के सेटलाइट मैन को उनके 89वीं जयंती पर सम्मानित किया?



रने की चढी ताकत से मत तोली ये सम्बन्धा आज का इतहास

व से खुशमारी है । हमारे री है ॥ किया पागल हमें जरा सी बात बात पर रुठी तुझे कैसी बता दे कौन शानी है । मुझे लगता ॥ लगा लेत गले मयको मिलेगा पुरानी दोस्ती को इस नई ताकत से मत तोलो ये सम्न्धो की तुपाई है षड्यंत्रों से मत खोलो मेरे लहजे की छैनो से गढ़े देवता जो कल मेरे लफ्जो पर मरते थे अब कहते है मत बोलो।

नर है से खुशगुन है । हमारे री है ॥ किया पागल हमें जरा सी बात बात पर रुठी तुझे कैसी बता दे कौन शानी है । मुझे लगता ॥ लगा ले तू गले मुझको खिलेगा तेरी चली दुपु पर शुमारी है ॥ मिलेगा नज़ के पास आने को । हेमेशा तुम ही राज बारी है । - अजय मिश्रा अभिज्ञ पुरुषत्व की दो ढेरियाँ

पुरुषत्व की दो ढेरियाँ स्त्री अपने लिए ढेरी पक्ष की पक्ष गद्दरी है पुरुष पुरुष हमेशा अपने से चाहिए फिर नाम देता है स्त्री चुनाव

पुरानी दोस्ती को इस नई ताकत से मत तोलो ये सम्बन्धो की तुरपाई है षड्यंत्रों से मत खोलो मेरे लहजे की छैनी से गढ़े देवता जो कल मेरे लफजो पे मरते थे अब कहते है मत बोलो।

- अमरजीत सिंह छाबड़ा

किया अतिक्रमण बैर ने, मन पर करके वार । प्रेम खड़ा ही रह

किया अतिक्रमण बैर ने, मन पर करके वार। प्रेम खड़ा ही रह गया, आकर दिल के द्वारा। निर्बल बनकर क्यों खड़ा, मूरख अब चेता। काट बैर की झाड़ियाँ, प्रेम बोय हिय-खेत।।

नई दिल्ली ॥ 1483 - प्रथम मुगल शासक बाबर का जन्म। 1525 - पुर्तगाल के विख्यात कवि लुई वास कौमुएन्स का पुर्तगाल के लिस्बन नगर में जन्म। 1821 - मैक्सिको ने स्पेन से स्वतंत्रता हासिल की। 1822 - दुनिया के पहले स्वामी नारायण मंदिर का अहमदाबाद में उद्घाटन हुआ। 1882 - संक्रामक रोग टीबी की पहचान हुई। 1894 - नकिरागुआ ने होंडुरस की राजधानी तेंगुसिगालपा पर कब्जा किया। 1895 - क्यूबा में स्वतंत्रता प्राप्ति के लिए लड़ाई शुरू हुई। 1918 - यूरोपीय देश एस्टोनिया ने रूस से स्वतंत्रता हासिल की। 1924 - प्रसिद्ध भारतीय गजल गायक तलत महमूद का जन्म। 1945 - मिश्र और सीरिया ने नाजी जर्मनी के खिलाफ युद्ध की घोषणा की। 1948

वाली जयललिता का जन्म। 1949 - इजरायल और मिश्र ने संघर्ष विराम समझौते पर हस्ताक्षर किए। 1961 - मद्रास सरकार ने राज्य का नाम बदलकर तमिलनाडु करने का फैसला किया। 1974 - पाकिस्तान ने आधिकारिक तौर पर बंगलादेश को मान्यता प्रदान की। 1976 - क्यूबा में संविधान को अंगीकार किया गया। 1991 - अमेरिका और गठबंधन सेनाओं ने इराक़ी सेना के खिलाफ जर्मनी लड़ाई शुरू की। 1998 - हिंदी फिल्मों की प्रसिद्ध अभिनेत्री ललिता पवार का निधन। 2003 - चीन के जियांगयांग प्रांत में भीषण भूकंप से 257 मरे। 2004 - रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने प्रधानमंत्री मिखाइल कास्यानोव को उनके पद से हटवाया।

- कल्पना पाण्डेय -राजकुमार धर द्विवेदी - फिल्म से लेकर राजनीति तक का सफ़र तय करने

देशों यूरोप को गैस भेजता रहेगा। पर दूसरी लिया था। रूस

ता है जो दुख और

नाते हैं चलो तुम्हे हम एक हसीन

(૬) જાણુ જાણુ જાણુ

सम्बन्धो

मन तोलो ये
मन खोलो मेरे
मेरे लफ्फो पे
मरते थे अब कहते



– अमरजीत सिंह छाबड़ा

तेक़मण बैर ने, मन वार। प्रेम खड़ा ही रह

मण बैर ने, मन पर करके वार। प्रेम
।। निबल बनकर क्यों खड़ा, मन
, प्रेम बोय हिय-खेत।।

– राजकुमार धर द्विवेदी

$$+$$

८
६
४
२

भारत स्काउट एवं गाइड जिला दमोह के तत्वावधान में 22 फरवरी को बेडेन पावेल जयंती का आयोजन

तंदूखेडा। भारत स्काउट एवं गाइड जिला दमोह तत्वावधान में 22 फरवरी को बेडेन पावेल जयंती जिले एवं विद्यालय स्तर पर मनाई गई और बेडेन पावेल जयंती के अवसर पर जिला शिक्षा अधिकारी एस. के. मिश्रा के कर कमलों से द्वितीय सोपान उती स्काउट एवं बैसिक प्रशिक्षित शिक्षक, ट्रेकिंग स्काउटर और गाइड प्रमाण पत्र वितरित किए गए स्काउटिंग के संस्थापक जन्मदाता के ब में संक्षिप्त रूप से जिला संगठक गाइड कंचन सिंह द्वारा जीवन के ब मे बताया गया। इसके पश्चात सहायक संचालक शिक्षा नन्हे सिंह ठाकुर द्वारा स्काउट को पॉलिथीन मुक्त भारत हेतु जागरूकता संदेश दिया गया और कपड़े के थैले को लोगों को बाजार में विभिन्न स्थानों पर आवश्यकतानुसार स्काउट प्राचार्य उत्कृष्ट दमोह पांडे जी एवं जीपी पटेल के मार्गदर्शन में वितरित किया जाएगा। कार्यक्रम में लखन लाहौर अहिरवार जिला संगठक स्काउट रश्मि ठाकुर संयुक्त सचिव पटेल अहिरवार, कोषाध्यक्ष जीपी पटेल, लोकेश सेन, मिथिलेश कुमार एस अंकित पटेल, कृष्णा पटेल, सोनुमंडल, भारत अहिरवार, विक्रम सिंह प्रह्लाद उत्कृष्ट दमोह स्काउट व कार्यालय स्टाफ उपस्थित रहा।

फ्री फायर गेम की लत, यूट्यूब से सीखा तरीका

10 साल के बेटे ने पिता के बैंक अकाउंट से दो साल में निकाले 1.70 लाख रुपए



बालाघाट, नवप्रदेश।

अगर आप अपने बच्चों को ऑनलाइन गेम खेलने के नाम पर बेफिक्र होकर उन्हें अपना मोबाइल दे रहे हैं, तो थोड़ा सचेत हो जाएं। दरअसल, बालाघाट शहर में एक ऐसा मामला सामने आया है, जो उन माता-पिता के लिए सबक है, जो बच्चे को मनोरंजन के लिए मोबाइल तो दे देते हैं, लेकिन वो मोबाइल पर गेम के नाम पर क्या कर रहे हैं, इसकी तपती नहीं करते।

जानकारी के अनुसार नगर के वार्ड नं.-24,

सुरभि नगर निवासी किशोर कुमार के महज दस साल के बेटे को ऑनलाइन गेम फ्री फायर की ऐसी लत लगी कि उसने इस गेम में फायर इक्रिपमेंट और आईडी खरीदने के लिए अपने ही पिता के बैंक अकाउंट से 1.70 लाख रुपए गायब कर दिए। बेटा, पिछले दो साल से पिता के खाते से पैसे गायब करता रहा, जिसकी भनक पिता को नहीं लगी। मंगलवार को कोतवाली स्थित नोडल साइबर शाखा में इसकी शिकायत की गई तो जांच में सामने आया कि फरियादी के बैंक खाते से

पैसे गायब करने वाला उसी का इकलौता बेटा है।

यूट्यूब से सीखा यूपीआई पिन बनाना

हरानी की बात है कि बेटे ने बैंक अकाउंट से पैसे भेजने या यूपीआई पिन बनाने की तरकीब यूट्यूब से सीखी है। पुलिस को दिए बयान में बालक ने बताया कि उसने यूट्यूब में अपलोडेड वीडियो देखकर यूपीआई पिन जनरेट करना सीखा था। इस खुलासे के बाद उसके माता-पिता के साथ पुलिस भी हैरत में है। बताया गया कि पिता ऑनलाइन पैमेंट या ट्रांजेक्शन के लिए जिस मोबाइल का इस्तेमाल करते थे, उसी मोबाइल में बालक फ्री फायर खेलता था।

इनका कहना है

बालक ने शांति अंदाज में बैंक खाते से 1.70 लाख की राशि सिर्फ ऑनलाइन गेम के लिए निकाली है, ये घटना पालकों को अलर्ट करने वाली है, जिससे सबक लेकर पालक अपने बच्चों को मोबाइल देते वक्त अलर्ट रहें तथा मोबाइल में वह क्या कर रहे हैं, ये पर जरूर नजर रखें। बालक को थाने में पुलिस व परिजनों ने समझाईश दी है कि वे दोबारा ऐसा न करें

-केएस गहलोत, टीआई

कोतवाली बालाघाट

मिरेगांव में ग्रामीण स्तरीय रात्रिकालीन टूर्नामेंट का हुआ शुभारंभ

प्रथम दिन खेले गए तीन मैचों में चिल्लोद, गणेशपुर व मिरेगांव की टीम रही विजेता



लालबारी, नवप्रदेश।

मुख्यालय से 06 किलोमीटर दूर स्थित ग्राम मिरेगांव स्थित नीलकमल स्टेडियम में पहली बार ड्रष्ट क्रिकेट क्लब मिरेगांव के तत्वावधान में ग्रामीण स्तरीय नाईट टेनिस बॉल क्रिकेट प्रतियोगिता का आयोजन किया गया है जिसका शुभारंभ 23 फरवरी को शाम 7:30 बजे किया गया। आयोजित पंद्रह हजारी नाईट क्रिकेट टूर्नामेंट का शुभारंभ टूर्नामेंट अध्यक्ष निलेश निकुसे, उपाध्यक्ष निरकुमार बघेल, कोषाध्यक्ष दुर्गाेश बिसेन, सचिव जितेन्द्र कावरे, कार्य. अध्यक्ष भागचंद पंचेश्वर, सह सचिव रंजन करंडे, टूर्नामेंट संयोजक संतोष चंद्रवार, उप कोषाध्यक्ष डुलीचंद कावरे, निरीक्षक संतोष निकुसे, सह संयोजक अविनाश चंद्रवार की उपस्थिति में किया गया। टूर्नामेंट के प्रथम दिन तीन मैच खेले गए जिसमें पहला मैच आलेझरी व चिल्लोद के मध्य खेला गया गया



जिसमें चिल्लोद की टीम विजेता रही वहीं दूसरा मैच बेहरई (सिवनी) व गणेशपुर के मध्य खेला गया जिसमें गणेशपुर की टीम विजेता रही गणेशपुर से परास्त हुई बेहरई (सिवनी) की टीम तीसरे मैच के लिए पुनः प्रवेश शुल्क जमा कर प्रतियोगिता में शामिल हुई जिसके बाद तीसरा मैच मिरेगांव व बेहरई(सिवनी) के मध्य खेला गया जिसमें मिरेगांव की टीम विजेता रही। आयोजित टूर्नामेंट में क्षेत्रीयजनों व क्रिकेट प्रेमियों से अधिक अधिक उपस्थिति की अपील टूर्नामेंट समिति पदाधिकारी व समस्त ग्रामीण क्रिकेट प्रेमियों ने की है।

जिले के सभी ग्रामों के आबादी क्षेत्र का होगा भू-सर्वेक्षण

बालाघाट, नवप्रदेश।

आयुक्त भू-अभिलेख मध्यप्रदेश ग्वालियर द्वारा जारी एवं 28 जनवरी 2022 के राजपत्र में प्रकाशित अधिसूचना के परिपालन में कलेक्टर एवं जिला सर्वेक्षण अधिकारी डॉ गिरीश कुमार मिश्रा ने जिले की समस्त 11 तहसीलों के समस्त ग्रामों के आबादी क्षेत्र का भू-सर्वेक्षण करने के लिए उसे अधिसूचित कर दिया है। जिले की कटंगी, किरनापुर, खैरलांजी, तिरोड़ी, परसवाड़ा, बालाघाट, बिरसा, बेहर, लांजी, लालबारी एवं वारासिवनी तहसील के समस्त ग्रामीण क्षेत्र के आबादी क्षेत्र का भू-सर्वेक्षण किया जायेगा। भू-

सर्वेक्षण के दौरान नवीन अधिकार अभिलेख तैयार किया जायेगा। जिसमें खातेदारों के नाम, उनके अंश, दायित्व तथा सुखाचार अधिकार अभिलेखित किये जायेंगे और ग्रामों के लिए निस्तर पत्रक तथा वाजिब-उल-अर्ज तैयार किया जायेगा। ऐसे सभी व्यक्ति, जो इस भू-सर्वेक्षण के प्रभावित हो सकते हैं, उनसे अपेक्षा की गई है कि वे इस सर्वेक्षण सक्रियाओं के दौरान अपने क्षेत्र में उपस्थित रहे और अभिनियोजित कर्मचारियों को सहयोग करें तथा भूमि में उनके स्वत्व, सीमाओं, अंशों दायित्वों और अधिकारों को उपलब्ध करायें। यह समस्त किसानों के हित में होगा।

लापरवाही बरतने वाले कनिष्ठ आपूर्ति अधिकारीयो के खिलाफ कार्यवाही का प्रस्ताव प्रस्तुत करने के निर्देश



बालाघाट, नवप्रदेश।

कलेक्टर डॉ गिरीश कुमार मिश्रा की अध्यक्षता में आज 24 मार्च को कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में राजस्व अधिकारियों की बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में राजस्व प्रकरणों एवं योजनाओं की समीक्षा की गई और अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिये गये। कलेक्टर डॉ मिश्रा ने बैठक में सभी एसडीएम को निर्देशित किया कि वे अपने क्षेत्र की उचित मूल्य दुकानों का सतत निरीक्षण करें। एसडीएम द्वारा हर सप्ताह 05 से 07 दुकानों का निरीक्षण करें और उनके स्टॉक की जांच करें। उचित मूल्य दुकानों के निरीक्षण में पाया गया है कि एक समिति के पास 04 से 05 दुकानें हैं। ऐसी स्थिति नहीं होना चाहिए, इसके लिए उचित मूल्य दुकानों को आजीविका मिशन के गांव के ही महिला समूह को आर्बिट किया जाये। इससे उचित मूल्य दुकानों का

संचालन बेहतर ढंग से हो सकेगा और गांव की महिलाओं को रोजगार का अवसर भी मिलेगा। जिन क्षेत्रों के कनिष्ठ आपूर्ति अधिकारी द्वारा दुकानों का निरीक्षण नहीं किया जा रहा है और अपने कार्यों में लापरवाही बरती जा रही है उनके विरुद्ध कार्यवाही का प्रस्ताव प्रस्तुत करें। बैठक में राजस्व विभाग से संबंधित समाधान आनलाईन एवं सीएम हेल्पलाईन के लिबित प्रकरणों की समीक्षा की गई और उनकी त्वरित निराकरण करने के निर्देश दिये गये। इन प्रकरणों के लिबित रहने पर जिम्मेदार अधिकारियों का वेतन रोकने की चेतावनी दी गई। बैठक में राजस्व विभाग के अविवादित सीमांकन, नामांकन एवं बंटवारा के प्रकरणों को आरसीएमएस पोर्टल पर दर्ज कर उनकी समय सीमा के भीतर निराकरण करने के निर्देश दिये गये। इसके साथ ही विभिन्न राजस्व मदों की वसूली का लक्ष्य पूर्ण करने के निर्देश दिये गये।

मवेशी चराने गए युवक की तालाब में डूबने से मौत

बालाघाट, नवप्रदेश।

वारासिवनी थाना क्षेत्र के एकोडी गांव में 23 फरवरी की शाम एक 35 वर्षीय युवक की तालाब में डूबने से मौत हो गई। मृतक का नाम चंद्रप्रकाश पिता भीकूलाल आमिलकर उम्र 35 वर्ष जाति तेली है। गुरुवार 24 फरवरी की सुबह वारासिवनी पुलिस के सडनि विजय मामन ने पंचनामा कार्यवाही के बाद शव का पोस्टमार्टम करवाकर शव परिजनों को सौंप दिया है। वहीं मर्ग कायम कर मामले की जांच शुरू कर दी गई है। घटना की जानकारी देते हुए मृतक के भाई



सत्यप्रकाश आमिलकर ने बताया कि बुधवार 23 फरवरी को शाम लगभग 5 बजे जानकारी मिली की चंद्रप्रकाश घर

के जानवर चराने गया था जो प्राथमिक शाला एकोडी के सामने बने तालाब में डूब गया है। जब सत्यप्रकाश द्वारा जाकर देखा गया तो छोटा भाई चंद्रप्रकाश तालाब में डूबा हुआ था। जिसकी जानकारी मृतक के भाई द्वारा पुलिस को दी गई। सत्यप्रकाश ने बताया कि मृतक चंद्रप्रकाश तालाब में मवेशियों को पानी पिलाने गया हुआ था, उसी दौरान पैर फिसल जाने से वह तालाब में गिर गया और डूबने से उसकी मौत हो गई है।

एन सी सी कैम्प में हुई विभिन्न प्रतियोगितायें



बालाघाट, नवप्रदेश।

सी ए टी सी-9 एन सी सी कैम्प जो कि “बी” प्रमाणपत्र परीक्षा के लिये एक आवश्यक कैम्प है। इसका आयोजन दिनांक 20 से 24 फरवरी 2022 तक ब्रिगेडियर आर. के. चिक्कारा, एस एम, रुपर हेडक्वार्टर, जबलपुर के निर्देशन में तथा 6 म.प्र. स्वतंत्र कंपनी एन सी सी बालाघाट के कमांडिंग ऑफिसर ले कर्नल एम रविचंद्रन के मार्गदर्शन में आयोजित किया गया। इस कैम्प में बालाघाट जिले की चार शैक्षिक संस्थाओं के 48 एस डी एवं 16 एस डब्ल्यू कुल 64 कैडेट्स ने भाग लिया जो इस वर्ष “बी” प्रमाणपत्र की परीक्षा

देंगे। कैम्प के दौरान मेप रीडिंग, फील्ड क्राफ्ट एवं बैटल क्राफ्ट, कम्प्यूनिक्शन, नेशनल इंटीग्रेसन, लीडरशिप तथा हेल्थ एवं हाइजीन पर व्याख्यान दिये गये। कैम्प के दौरान यातायात पुलिस, अग्निशमन टीम, बालाघाट, चाइल्ड केयर संस्थान “परवाह” द्वारा कैडेट्स को जागरूक किया गया। इसके अतिरिक्त कैडेट्स को व्याख्यान के द्वारा पर्यावरण सचेतना पर चर्चा की गयी। 5 दिवसीय कैम्प के दौरान कैम्प में फायरिंग, ड्रिल एवं चित्रकला का आयोजन किया गया इसमें फायरिंग कम्पिटिशन में प्रथम स्थान पर सरदार पटेल विश्व विद्यालय के गुलशन पटले, ड्रिल कम्पिटिशन में पी जी कालेज बालाघाट के खुमेश देशमुख तथा चित्रकला प्रतियोगिता में सरदार पटेल विश्वविद्यालय की आयुशी अग्ने ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। इस कैम्प को सफल बनाने में जिलाधीश, पुलिस विभाग, यातायात विभाग, नगर पालिका निगम एवं जिला चिकित्सालय की महत्वपूर्ण भूमिका रही। आयोजित कैम्प में एन सी सी अधिकारी एवं पी आई स्टाफने अपनी सक्रिय भूमिका दर्ज कराई।

जल, जंगल, और जमीन की रक्षा करना हमारा प्रथम कर्तव्य होना चाहिए – गौरव पारधी

कचेखनी में संपन्न हुआ आदिवासी गोंडवाना सम्मेलन

बालाघाट, नवप्रदेश।

खैरलांजी तहसील के ग्राम कचेखनी में आदिवासी गोंडवाना क्रांतिकारी समिति के तत्वावधान में गोंडवाना सम्मेलन का आयोजन किया गया। इस अवसर पर सर्वप्रथम ग्राम में कलश यात्रा एवं प्रभात फेरी निकाली गई। जिसके पश्चात भगवान बिरसा मुंडा की पूजा अर्चना कर महाप्रसादी का वितरण किया गया। इस अवसर पर कार्यक्रम के मुख्य अतिथि के रूप में भाजपा जिला उपाध्यक्ष गौरव सिंह पारधी ने कहा कि भगवान बिरसा मुंडा से प्रेरणा लेनी चाहिए और उनके बताए हुए मार्ग पर चलना होगा। हमारे जल, जंगल, जमीन लेकर जा रहे हैं या उनका दोहन कर रहे हैं उनसे लड़ना पड़ेगा। भगवान बड़ा देव की हम पूजा करते हैं भगवान बड़ा देव निरंकर है उनका कोई आकार



नहीं है यह हमारी प्रकृति के आजू-बाजू हैं और हम उनके उपासक है तो हमें प्रकृति की पूजा व रक्षा करनी पड़ेगी तभी भगवान बिरसा मुंडा के सच्चे उपासक कहलाएंगे। श्री पारधी ने आगे कहा कि हमने ग्राम में भगवान बिरसा मुंडा की मूर्ति की स्थापना की है तो हमें उनके आदर्शों पर

बाबा भगत झरिया, सरपंच गुनाराम बघेले, घुबडगांभी सरपंच मधु सुदन भगत, अर्जुन भलावी, अनिल धुर्वे, अनुपचंद वट्टी, रोशन लाल वरकडे, फूलाबाई वरकडे, योदाबाई धुर्वे, मोहन उईके सहित अन्य पदाधिकारी मौजूद रहे।

चलने के लिए अपनी जल, जंगल, जमीन प्रकृति की रक्षा करनी पड़ेगी। कार्यक्रम के दौरान भाजपा जिला उपाध्यक्ष गौरव पारधी, ग्रामीण मंडल महामंत्री भाजपा शिवप्रसाद सोनवाने, जिला अध्यक्ष आदिवासी विकास परिषद बालाघाट भुवन सिंह कुराम, नाथेश्वर बाबा, कचेखनी सरपंच शारबाई भगत,

